मूल हिंदी में

भारत सरकार

पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय

राज्य सभा

अतारांकित प्रश्न सं. 3255

21.08.2025 को उत्तर के लिए

बड़ी आपदा की स्थिति में एशियाई शेरों के पुनर्वास की व्यवस्था

3255. श्री गोविंदभाई लालजी भाई धोलकिया:

क्या **पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या मंत्रालय ने किसी बड़ी आपदा की स्थिति में एशियाई शेरों के पुनर्वास के लिए गुजरात सरकार और अन्य संबंधित हितधारकों के साथ कोई सहयोगात्मक पहल की है; और

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन राज्य मंत्री
(श्री कीर्तवर्धन सिंह)

(क) और (ख): वन्यजीवों और उनके पर्यावासों का संरक्षण एवं प्रबंधन मुख्यतः राज्य सरकारों और संघ राज्य-क्षेत्रों के प्रशासनों की ज़िम्मेवारी है। केंद्र सरकार ने "बाघ परियोजना" शुरू की है, जिसमें संरक्षण और पारिस्थितिकी विकास को एकीकृत करके गुजरात में एशियाई शेरों के क्षेत्रीय पारिस्थितिकी आधारित संरक्षण की परिकल्पना की गई है। बाघ परियोजना के उद्देश्य निम्नलिखित हैं:

(क) शेरों की बढ़ती आबादी के प्रबंधन के लिए उनके पर्यावासों को सुरक्षित और पुनर्स्थापित करना।

(ख) स्थानीय समुदायों की आजीविका उपार्जन और भागीदारी को बढ़ाना।

(ग) बिग कैट रोग निदान और उपचार पर जानकारी का एक वैश्विक केंद्र बनना।

(घ) बाघ परियोजना पहल के माध्यम से समावेशी जैव विविधता संरक्षण।

इसके अलावा जूनागढ़, गुजरात में एक "राष्ट्रीय रेफरल सेंटर- वन्यजीव" की स्थापना की जा रही है, जो वन्यजीव स्वास्थ्य और रोग प्रबंधन से संबंधित विभिन्न पहलुओं के समन्वय और प्रशासन के लिए केंद्र के रूप में कार्य करेगा।

इसके अलावा गुजरात राज्य सरकार ने किसी बड़ी आपदा की स्थिति में एशियाई शेरों के पुनर्वास के लिए निम्नलिखित उपाय किए हैं:

- गुजरात के मोरबी जिले के रामपारा और पोरबंदर जिले के सतविरदा में जीन पूल केंद्र स्थापित किए गए हैं।
- बर्दा वन्यजीव अभयारण्य को एशियाई शेर के दूसरे पर्यावास के रूप में विकसित किया गया है।
- गुजरात के विभिन्न क्षेत्रों जैसे जसाधर, जामवाला, सिमर, अम्बार्डी, क्रंकाच, जंजारदा, बाबरकोट, गेबर और सासन में बचाव और पशु चिकित्सा उपचार केंद्र स्थापित किए गए हैं।
- एशियाई शेरों के संरक्षण के लिए पर्यावास प्रबंधन, रोग निगरानी, पशु चिकित्सा देखभाल, आईसीटी आधारित ट्रैकिंग प्रणाली और पारिस्थितिकी विकास जैसी विभिन्न गतिविधियां शुरू की गई हैं।

*****